VSA
A Real English Medium School
Little Steps
Pre Primary wing of VSA

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Class 6th **Subject - Hindi.** **Topic-निबंध**

Do and learn

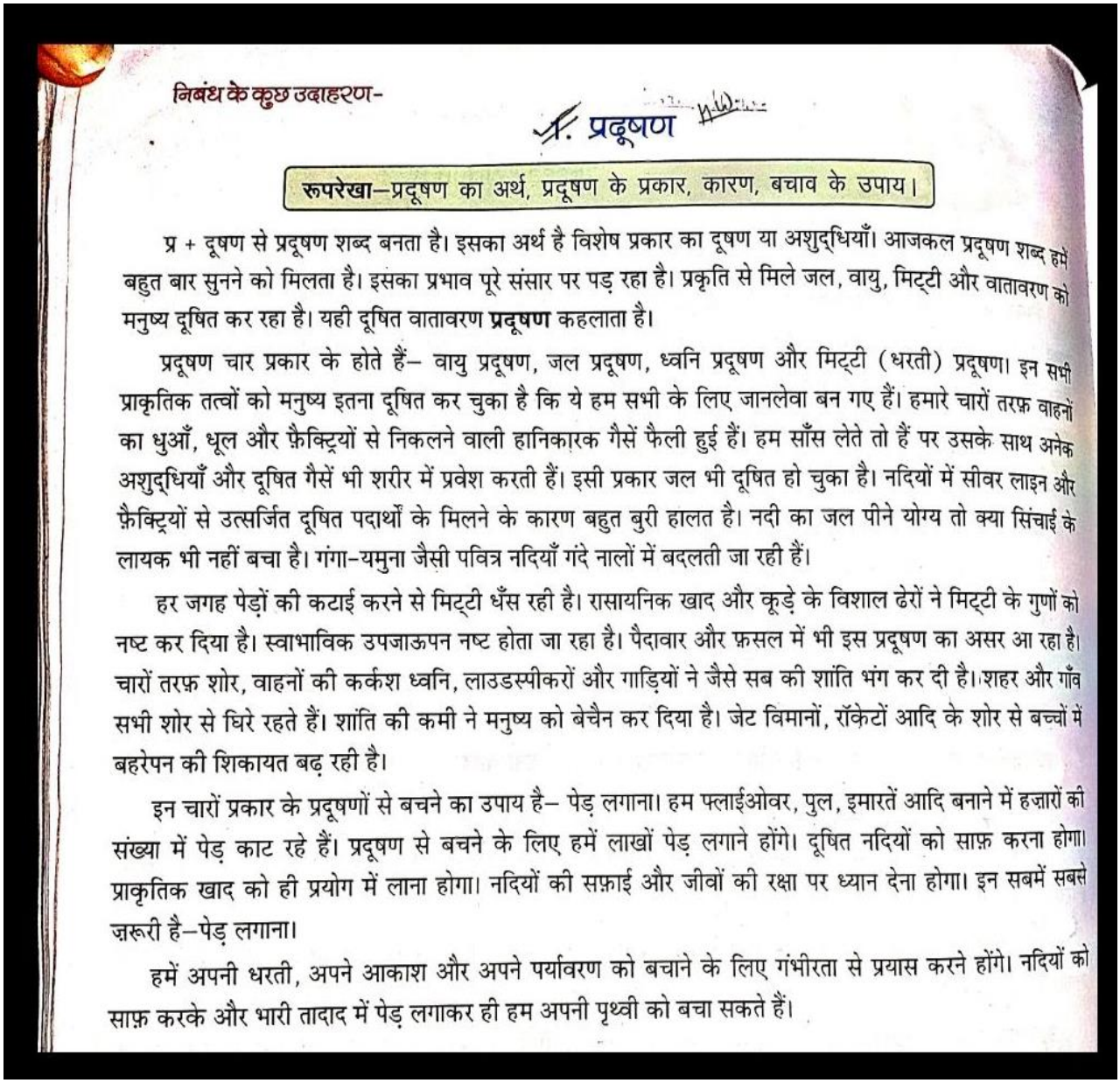

निबंध के कुछ उदाहरण-

1. प्रदूषण

रूपरेखा–प्रदूषण का अर्थ, प्रदूषण के प्रकार, कारण, बचाव के उपाय।

प्र + दूषण से प्रदूषण शब्द बनता है। इसका अर्थ है विशेष प्रकार का दूषण या अशुद्धियाँ। आजकल प्रदूषण शब्द हमें बहुत बार सुनने को मिलता है। इसका प्रभाव पूरे संसार पर पड़ रहा है। प्रकृति से मिले जल, वायु, मिट्टी और वातावरण को मनुष्य दूषित कर रहा है। यही दूषित वातावरण **प्रदूषण** कहलाता है।

प्रदूषण चार प्रकार के होते हैं– वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और मिट्टी (धरती) प्रदूषण। इन सभी प्राकृतिक तत्वों को मनुष्य इतना दूषित कर चुका है कि ये हम सभी के लिए जानलेवा बन गए हैं। हमारे चारों तरफ़ वाहनों का धुआँ, धूल और फ़ैक्ट्रियों से निकलने वाली हानिकारक गैसें फैली हुई हैं। हम साँस लेते तो हैं पर उसके साथ अनेक अशुद्धियाँ और दूषित गैसें भी शरीर में प्रवेश करती हैं। इसी प्रकार जल भी दूषित हो चुका है। नदियों में सीवर लाइन और फ़ैक्ट्रियों से उत्सर्जित दूषित पदार्थों के मिलने के कारण बहुत बुरी हालत है। नदी का जल पीने योग्य तो क्या सिंचाई के लायक भी नहीं बचा है। गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियाँ गंदे नालों में बदलती जा रही हैं।

हर जगह पेड़ों की कटाई करने से मिट्टी धँस रही है। रासायनिक खाद और कूड़े के विशाल ढेरों ने मिट्टी के गुणों को नष्ट कर दिया है। स्वाभाविक उपजाऊपन नष्ट होता जा रहा है। पैदावार और फ़सल में भी इस प्रदूषण का असर आ रहा है। चारों तरफ़ शोर, वाहनों की कर्कश ध्वनि, लाउडस्पीकरों और गाड़ियों ने जैसे सब की शांति भंग कर दी है। शहर और गाँव सभी शोर से घिरे रहते हैं। शांति की कमी ने मनुष्य को बेचैन कर दिया है। जेट विमानों, रॉकेटों आदि के शोर से बच्चों में बहरेपन की शिकायत बढ़ रही है।

इन चारों प्रकार के प्रदूषणों से बचने का उपाय है– पेड़ लगाना। हम फ्लाईओवर, पुल, इमारतें आदि बनाने में हज़ारों की संख्या में पेड़ काट रहे हैं। प्रदूषण से बचने के लिए हमें लाखों पेड़ लगाने होंगे। दूषित नदियों को साफ़ करना होगा। प्राकृतिक खाद को ही प्रयोग में लाना होगा। नदियों की सफ़ाई और जीवों की रक्षा पर ध्यान देना होगा। इन सबमें सबसे ज़रूरी है–पेड़ लगाना।

हमें अपनी धरती, अपने आकाश और अपने पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने होंगे। नदियों को साफ़ करके और भारी तादाद में पेड़ लगाकर ही हम अपनी पृथ्वी को बचा सकते हैं।